कैम्पस कनेक्ट

राम लाल आनंद महाविद्यालय का मासिक ई-न्यूज़लेटर

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का प्रकाशन | नई दिल्ली, अगस्त 2026 | वर्ष 4, अंक 34, पृष्ठ 4





राम लाल आनंद महाविद्यालय के वार्षिक खेल पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के डीसीपी अमित गोयल, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता के साथ शिक्षक और खिलाड़ी।

रामलाल आनंद महाविद्यालय का 62वां वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह, खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र से नवाजा गया

विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी एक ही मैदान पर

सुबी

- **विद्यार्थी के साथ बेहतर खिलाड़ी बने : प्रो. राकेश कुमार गुप्ता**
- **शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी : डीसीपी अमित गोयल**

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने 17 अप्रैल को 62वें वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह 2025–26 का आयोजिन किया। मुख्य अतिथि दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के डीसीपी अमित गोयल उपस्थित रहे। अमित गोयल ने कहा कि शारीरिक शिक्षा केवल मनोरंजन नहीं बल्कि संपूर्ण शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग है। एक स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन जीने के लिए खेलों में सक्रिय भागीदारी जरूरी है और युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों को जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। यह लत शरीर को खोखला करती है। आपके भविष्य और परिवार के सपनों को तोड़ देती है। युवा देश की शक्ति हैं। इस शक्ति को नशे की गिरफ्त में बर्बाद नहीं होने देना चाहिए।

उन्होंने छात्रों से अपील की कि वह खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। खेल से अनुशासन आता है। मानसिक और शारीरिक रूप से इतना मजबूत बनते हैं कि व्यक्ति गलत रास्ते पर भटकने से बचता है। किताबी ज्ञान के साथ–साथ मैदान की चुनौतियों का सामना करना भी जरूरी है। खिलाड़ियों ने फुटबॉल, जूडो, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, शतरंज, कैरम, खो–खो, एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। इंटर डिपार्टमेंट चैंपियनशिप 2025–26 में महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को विशेष ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारियों के बीच भी प्रतियोगिताएं हुईं। विजेताओं को सम्मानित किया गया।

प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कर्म की तरफ अग्रसर हैं तो मन को नियंत्रित किए बिना लक्ष्य नहीं मिल सकता। उन्होंने अपने को बेहतर इंसान, बेहतर स्पोर्ट्स पर्सन व बेहतर विद्यार्थी बनने की वकालत की। इससे पहले शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप शर्मा ने विभाग की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह के सफल आयोजन में डॉ. विशाल गोस्वामी और शारीरिक शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। धन्यवाद ज्ञापन उपप्राचार्य प्रो. प्रेरणा दीवान ने दिया। इस मौके पर कई महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक, दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी संयोजक प्रो. संजय कुमार, शिक्षक डॉ. प्रज्ञा देशमुख, डॉ. रीटा जैन, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अनुराग शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

टीमों के जरिए दिखी खेल की भावना

समर्थ

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की समिति कॉचिंग ने 6 अप्रैल 2026 को खेल प्रतियोगिता आयोजन किया। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों की 8 टीमों ने भाग लिया। राम लाल आनंद महाविद्यालय की टीम ई विजेता रही। दूसरा स्थान टीम बी शिवाजी कॉलेज, तीसरा स्थान शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज की टीम एफ ने हासिल किया।

ट्रेजर हंट के आयुष और अंशिका विजेता रहे

आकाश

नई दिल्ली। ट्रेजर हंट सिर्फ एक खेल नहीं है। यह एक रोमांचक यात्रा है। एक ऐसी यात्रा जहां हर सुराग आपको चुनौती देगा। हर कदम एक निर्णय की मांग करेगा और हर निर्णय आपकी यात्रा को आकार देगा। यह बात सौम्या और तृप्ति ने संचालन करते हुई कही।

राम लाल आनंद महाविद्यालय में 9 अप्रैल 2026 को हीरव द ग्रीन कैंपस समिति ने ट्रेजर हंट का आयोजन किया। अनेक प्रतिभागियों के समूह ने ट्रेजर हंट में भाग लिया। इसके विजेता समूह लेवै के आयुष कुमार एवं अंशिका रहीं। समिति संयोजिका डॉ. निधि यादव ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र दिए। विजेताओं को धनराशि देकर सम्मनित किया गया। इस दौरान भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

नई कहानी कहने की शैली सीखी

निधि

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की अंग्रेजी क्रिएटिव राइटिंग समिति अभिव्यक्ति ने पर्सेप्शन एक्लिप्स एंड इको नामक एक साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता 17 फरवरी 2026 को हुई। प्रतियोगिता के पहले दौर में ब्लैकआउट पोएट्री में प्रतिभागियों को दिए गए पाठ से शब्दों को हटाकर कविताएं बनानी थीं। बिना कोई नया शब्द जोड़े। दूसरे दौर में स्टोरी रिवर्सल में प्रतिभागियों को पारंपरिक कथाओं को उलट कर और पात्रों को फिर से परिभाषित कर उनकी फिर से कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अंत में विजेताओं की घोषणा की गई। आकांक्षा, कुमार प्रसून, समीर राज, आर्यन चौरसिया अमित कुमार ने जीत हासिल की।



साहित्यिक प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया अपना हुनर।

भविष्य की चाबी है सूक्ष्मजीव विज्ञान : डॉ. रामकरन

अंशु यादव / माही शर्मा

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग 20 मार्च 2026 को माइक्रोविटे 26 का आयोजन किया। विशेषज्ञों ने बताया कि सूक्ष्मजीव और आधुनिक तकनीक भविष्य में अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य की दिशा बदलेगी। मुख्य वक्ता डॉ. राम करन ने कहा कि सूक्ष्मजीव और अर्थव्यवस्था शरीर और प्रकृति के नन्हें कारखाने हैं। पर्यावरण संरक्षण और अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूत किया जा सकता है। वक्ता डॉ. शैलेश कुमार ने एनजी इस तकनीक की मदद से फसलों में रोगों की पहचान की जानकारी दी। वक्ता डॉ. अश्विनी चौहान ने बताया कि बैक्टीरिया, कैरम सेंसिंग और बैक्टेरियोफेज पर चर्चा की। समारोह वाद–विवाद, शोध–पत्र और केस स्टडी प्रतियोगिताएं आयोजित हुआ। वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपांशु, द्वितीय स्थान ऋषु राज, तृतीय स्थान रितेश डोंगरी, शोधपत्र प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजदीप और अंजलि, द्वितीय स्थान प्रिया और कृतिका, तृतीय स्थान अंतिम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राज दीप और अंजलि, द्वितीय स्थान कृति और तूलिका, तृतीय स्थान हर्षवर्धन और आदित्य को मिला। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, उपप्राचार्य प्रो. प्रेरणा दीवान, प्रो. वंदना गुप्ता, संयोजक डॉ. शालिनी स्वामी और समिति के सदस्य मौजूद रहे।



सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित माइक्रोविटे में प्रतिभागियों ने की हिस्सेदारी।

स्वच्छ और स्वस्थ जीवन का संदेश

शिवानी

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने 10 अप्रैल 2026 को स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान की शुरुआत सुबह 11 बजे पत्रकारिता विभाग से की गई। स्वच्छता अभियान के जरिए विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक किया गया। इस अभियान में पत्रकारिता विभाग के सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अपनी भूमिका निभाई।

नए तरह का अनुभव मिला

मुझे अपने राम लाल आनंद महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के ईन्यूज लेटर 'कैम्पस कनेक्ट' में छात्र संपादक के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। यह अनुभव मेरे जीवन के सबसे यादगार और प्रेरणादायक अनुभवों में से एक रहा। इस जिम्मेदारी ने मुझे न केवल पत्रकारिता के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराया, बल्कि मेरे व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता का भी विकास किया। जिस समय मुझे छात्र संपादक की जिम्मेदारी सौंपी गई उस समय मैं बहुत उत्साहित थी। साथ ही मन में यह भी तय किया कि इस कार्य को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाना है। शुरुआत में यह कार्य चुनौती भरा लगा, लेकिन धीरे–धीरे अनुभव और मार्गदर्शन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।



दीपिका

न्यूज लेटर का संपादन करने के दौरान मैंने सीखा कि एक संपादक केवल खबरों में सुधार करने वाला व्यक्ति नहीं होता बल्कि वह पूरी टीम का मार्गदर्शन करता है। संपादन करते समय निष्पक्षता, सटीकता और भाषा की शुद्धता का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। समाचार पत्र तैयार करने की प्रक्रिया में मुझे अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करने का अवसर मिला। इस अनुभव ने मेरी भाषा और लेखन शैली को भी बेहतर बनाया। संपादन के दौरान मुझे शब्दों का सही चयन, व्याकरण की शुद्धता समझ में आई। अब मैं किसी भी लेख या समाचार को पहले से अधिक गंभीरता से पढ़ती हूं। उसमें सुधार की संभावनाओं को पहचान पाती हूं। अंत में मैं यही कहना चाहूंगी कि कॉलेज के ईन्यूज लेटर में छात्र संपादक के रूप में कार्य करना मेरे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि सीख, आत्मविश्वास और रचनात्मकता से भरपूर एक अनमोल अनुभव था। मुझे विश्वास है कि यह अनुभव मेरे भविष्य के पत्रकारिता जीवन में एक मजबूत आधार सिद्ध होगा। इसी उम्मीद के साथ यह अंक आपके सामने पेश है।

बालेन्दु को राजभाषा गौरव का प्रथम पुरस्कार

'यंत्रबुद्धि : आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस' किताब के लिए किए जाएंगे सम्मानित

कैम्पस संवाददाता

नई दिल्ली। डिजिटल तकनीक विशेषज्ञ बालेन्दु शर्मा दाधीच को राजभाषा गौरव सम्मान को प्रथम पुरस्कार देने का ऐलान किया गया है। यह सम्मान गृह मंत्रालय की ओर से दिया जाता है। बालेन्दु शर्मा को यह सम्मान उनकी किताब 'यंत्रबुद्धि : आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस' के लिए दिया जाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे तेजी से बदलते तकनीकी विषय को हिंदी में सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने के लिए उनकी इस कृति को सराहा गया है।

बालेन्दु शर्मा दाधीच को यह सम्मान 14 सितंबर 2026 को मुंबई में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान दिया जाएगा। दाधीच इस समय दुबई की कंपनी एल्गो टेक्नोलॉजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। साथ ही भारत में एआई स्किलिंग पर आधारित रिस्किल नेशन के संस्थापक हैं। राजभाषा के क्षेत्र में हिंदी में समकालीन तकनीकी विषयों को लोकप्रिय बनाने के प्रयासों के लिए दिया जाने वाला यह सम्मान उनके साहित्यिक एवं तकनीकी योगदान को नई पहचान देता है।

बालेन्दु शर्मा दाधीच की पुरस्कृत किताब में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अवधारणा, उसके विकास, उपयोग और भविष्य की संभावनाओं को आम पाठकों के लिए सहज भाषा में समझाने का प्रयास किया गया है। तकनीकी विषयों को हिंदी में प्रस्तुत करने की उनकी अपनी शैली है। इसी के कारण उनकी किताबें बड़े पैमाने पर पढ़ी जाती हैं। तकनीक और हिंदी के बीच सेतु बनाने के लिए जाने जाने वाले दाधीच लंबे समय से डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिंदी भाषा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह मानते हैं कि नई तकनीक की जानकारी केवल अंग्रेजी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अंग्रेजी के साथ–साथ भारतीय भाषाओं में भी तकनीकी ज्ञान को सहज रूप से उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसी उद्देश्य के तहत वह यह काम कर रहे हैं। तकनीक के क्षेत्र में बदलते रोजगार परिदृश्य और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच दाधीच का फोकस नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करने पर रहा है। यही वजह है कि राजभाषा गौरव सम्मान का प्रथम पुरस्कार उनकी इसी बहुआयामी भूमिका में हिंदी के माध्यम से तकनीकी ज्ञान को बढ़ावा देने के प्रयासों की एक कड़ी माना जा रहा है।



बालेन्दु शर्मा दाधीज इसके पहले भी तकनीकी पहलुओं पर कई किताबें लिख चुके हैं। साथ ही उनकी किताबें का एक अपना पाठक वर्ग भी है, इसमें खासकर वे युवा हैं जो मौजूदा समय के अनुसार तकनीक से अपना वास्ता बनाए हुए हैं। उन चुनौतियों को स्वीकारते हुए रोजगार के क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। वह इन किताबों को पढ़कर तकनीकी ज्ञान हासिल करते हैं।

भारत में गति पकड़ रहा है बॉल बैडमिंटन का खेल



पिछले दिनों बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी *राजाराव* राम लाल आनंद महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सामुदायिक रेडियो तरंग 90.0 एफएम के मेहमान थे। इस बीच उनसे मैत्रेयी कॉलेज में बीए ऑनर्स राजनीति विज्ञान की छात्रा *दीपान्विता* ने उनसे इस खेल के विभिन्न पहलुओं पर बात की, जिसको उन्होंने विस्तार से जवाब दिया। रेडियो तरंग के श्रोताओं के लिए हुई इस बातचीत के संपादित अंश 'कैम्पस कनेक्ट' के पाठकों के लिए पेश हैं...

सर, आपका खेल से जुड़ाव कब हुआ और खेलने की प्रेरणा कहां से मिली?

मैं बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया से सन 1975 से जुड़ा हुआ हूं। जब मैं आठवीं क्लास में पढ़ता था तो उस समय हमारे यहां एक क्लब हुआ करता था। उसमें बॉल बैडमिंटन खेला जाता था तो वहां से मैंने अपने करियर की शुरुआत की और स्टेट लेवल वगैरह खेलते रहा। 1997 में मुझे नेशनल मतलब कि अपने राज्य मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। मैंने उस समय जूनियर नेशनल में भाग लिया, जो तुमकुर कर्नाटक में आयोजित हुआ था।

एक खिलाड़ी के रूप में बचपन में बॉल बैडमिंटन के अलावा आपको और कौन से खेल में रुचि थी?

वैसे तो हम लोग जिस स्कूल में पढ़ते थे हिंदी मीडियम स्कूल था। ब्लास्टिल प्लांट का अपना स्कूल हुआ करता है। उस स्कूल में हम लोग हर खेल खेलते थे, क्योंकि कुछ ही बच्चे खेल में आगे होते हैं। खेल के कारण हम ही लोगों को ले आगे ले जाया जाता था और खिलाया जाता था। जब मैं बॉल बैडमिंटन से जुड़ा तो फिर मैंने सभी खेल को छोड़ दिया। फिर बॉल बैडमिंटन में ही अपना करियर बनाया और उसी के प्रति समर्पित रहा।

जो विद्यार्थी किसी खेल और पढ़ाई दोनों को साथ में लेकर चलना चाहते हैं, उनको टाइम मैनेजमेंट समझ नहीं आता। मैं चाहती हूं कि आप उन श्रोताओं को टाइम मैनेजमेंट के बारे में बताइएगा।

आपने जैसे अपने समय में किया होगा। मैं तो सभी युवाओं को यही बोलना चाहूंगा कि सभी अधिक से अधिक खेल से जुडं। खेल से पढ़ाई का नुकसान नहीं होता है। आप पढ़ाई भी करते रहिए और जो आपका बाकी समय है, जिसमें आप दूसरी गतिविधियां करते हैं उसमें अगर आप खेल से जुड़ेंगे तो आप का शारीरिक और मानसिक विकास भी होगा। एक सामाजिक विकास भी होता है, जैसे आप अलग–अलग लोगों से मिलते हैं। एक तरह के अनुशासन में रहते हैं और आप जीत–हार आदि चीजों को समझ सकते हैं।

आपकी खिलाड़ी से कोच तक की यात्रा कैसी रही?

मैंने करीब 20 साल तक खिलाड़ी के रूप में खेला है। उसके बाद जब हम लोग एक स्टेज में आ गए कि अब नए खिलाड़ियों को अवसर देना है तो तब मैंने कोच की भूमिका निभाई। उस समय मैं महिला टीम का कोच हुआ करता था। करीब 15 साल मैं महिला टीम का कोच रहा हूं और मैंने देखा है कि बच्चों का जो मानसिक संतुलन होता है। खेल, पढ़ाई, घर और बाकी जो परिस्थितियां होती हैं आजू–बाजू उसको लोग संभाल नहीं पातें। मैंने उस समय विशेष ध्यान दिया और उनको प्रोत्साहित किया कि आप खेलो और पढ़ो। यही वजह है कि आज ऐसी बहुत सारी लड़कियां हैं जो सफल हैं। अपने जीवन में, इनकम टैक्स में, एक्सरसाइज में, रेलवे में कोस्टल वगैरह में सब जगह पर अच्छी जॉब कर रही हैं।

बहुत बार ऐसा हुआ होगा कि आपकी टीम किसी मैच में जीती होगी। उस समय आपने उन खिलाड़ियों को जीत हासिल करने के लिए कैसे मोटिवेट किया, उस समय आपकी फीलिंग्स उनको लेकर क्या थीं?

ऐसे कई क्षण आते हैं। कभी हम जीतते हैं। कभी हारते हैं, लेकिन जब बच्चे एक ग्रुप में रहते हैं और वह खेलकर जीतते हैं तो उनका उत्साह चार गुना हो जाता है। वे यह भूल जाते हैं कि आगे भी ऐसे मौके आएंगे जब हम जीत सकते हैं। हार भी सकते हैं। ऐसे में उनको हम लोग मोटिवेट करते हैं कि आप जीत से इतना उत्साहित मत हो जाइए कि आप अपने अगले जो लक्ष्य हैं उनको भूल जाएं। उनको संतुलन बना के चलना पड़ता है। उनको समझाना पड़ता है कि यह एक ऐसा पहलू है कि खेल के साथ आपके जीवन में भी आएगा।

कभी आप जीतेंगे, कभी हारेंगे। उसमें आप कैसे संतुलन करेंगे?

आप अगर हारते हो तो आगे हार को जीत में बदलना है। जीतते हो तो हार को भी सहने की शक्ति होनी चाहिए। उससे निराश नहीं होना।

किसी समय जब खिलाड़ी ज्यादा दुखी हो जाते हैं या निराश हो जाते हैं तब आप उनको कैसे प्रेरित करते हैं?

मैंने देखा है कि लड़के थोड़ा मजबूत होते हैं। इसलिए मैं बोल रहा हूं कि लड़कों में एक क्षमता होती है। वे लोग किसी भी चीज को संभाल लेते हैं। जबकि मैं लड़कियों का कोच रहा हूं। मैं बोल सकता हूं कि अधिकांश लड़कियां जल्दी परेशान हो जाती हैं।

लड़कियों के निराश होने का अधिकतर कारण क्या होता है। उस चीज को आप कैसे मैनेज करते हैं?

यह समय ठीक नहीं था। इसमें हो सकता है हम अच्छा नहीं खेले। अगला पड़ाव आएगा, जिसमें हम जीतेंगे और सफल होंगे। यह जो हमारा बॉल बैडमिंटन गेम हैं, उसके इंटरनेशनल कई साल तक नहीं हुए थे।

अभी कई प्रतियोगिताएं हुई हैं। उसके परिणाम भी सामने आए हैं। आगे की क्या योजना है?

बॉल बैडमिंटन वास्तव में एक भारतीय खेल है, इंडिजिनस गेम है। इसको हम लोगों ने 2014 में इंटरनेशनल प्रमोशन शुरू किया। उसके बाद से लगातार 19 तक करते रहे। उसके बाद जब कोविड आया तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना संभव नहीं हो पाया। उसके बाद तीन–चार साल हमारे खेल पर ब्रेक लग गया। उसके बाद अभी हमने साउथ एशियन चैंपियनशिप कराई पटना में, जिसमें श्रीलंका, भूटान, नेपाल और इंडिया की चार टीमों ने भाग लिया था। बांग्लादेश की टीम डिस्टरबेंस कारण नहीं आ सकी और पाकिस्तान को तो हम अभी बुला नहीं रहे। इस तरह से बहुत अच्छा रहा। अपनी इंडिया की टीम उसमें गोल्ड मेडल जीती है। दोनों वर्ग में पुरुष एवं महिला में बेहतरीन परिणाम रहा। हमारा अगला पड़ाव नेपाल का था। नेपाल में हमारी टीम ने तीन टेस्ट की श्रृंखला खेली। तीनों में विजेता बनकर गोल्ड मेडल जीती। अगले पड़ाव इंडोनेशिया में भी हमने अच्छा किया। एक एमओयू किया गया है। स्कूलों और महाविद्यालयों में इस खेल को प्रमोट करना तय हुआ है। हमारी टीम मलेशिया गई। वहां भी उसने अच्छा किया। अभी थाईलैंड में इसको प्रमोट कर रहे हैं। एक यूनिवर्सिटी के जरिए इस खेल को थाईलैंड में स्थापित किया है। बहुत जल्द हम लोग एशियन चैंपियनशिप करने जा रहे हैं। यह आयोजन भारत में होगा। इसमें शामिल होने वाले देशों में हम प्रमोशन स्कीम चला रहे हैं। उनके माध्यम से बाकी देशों में भी हम लोग अभी इसको प्रमोट कर रहे हैं। अभी हम यूएस जा रहे हैं। वहां की टीम को आमंत्रित करेंगे।

यह बॉल बैडमिंटन गेम है क्या? कैसे खेलते हैं, इसकी फील्ड किस तरह की होती है, इन सब बिन्दुओं की जानकारी रेडियो तरंग 90.0 के श्रोता जानना चाहेंगे।

बहुत लोगों को बॉल बैडमिंटन गेम नहीं पता। वास्तव में बॉल बैडमिंटन 1856 में तंजावुर के राजा जो थे, वह लोग अपनी जगह में इसको खेलते थे। ब्रिटिश लोगों के साथ खेलते थे। उस समय आम आदमी को खेलने की अनुमति नहीं थी, लेकिन जब वह रॉयल फैमिली से हट कर आम पब्लिक में आया तो इतना पॉपुलर हुआ कि यह गेम अभी खूब प्रचलित हुआ है। इसमें बहुत सारे मैच होते हैं। प्राइज मनी होती है। बहुत सारे टूर्नामेंट होते हैं। गांव–गांव में इसको खेला जाता है। यहां से यह गेम आगे जाकर शटल में परिवर्तित हुआ। ब्रिटेन में ऐसा स्थापित हुआ जो आज पूरी दुनिया में फेमस है और बॉल बैडमिंटन इंडिजिनस होने के कारण उतना बड़ा दायरा उसका नहीं हो पाया। इसके कारण इसका प्रमोशन नहीं हो पाया। अभी हम लोग कोशिश कर रहे हैं कि यह एक फास्टेस्ट रैकेट गेम है। इसे इंटरनेशनल लेवल में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है।

आपसे मेरा अंतिम प्रश्न है, कि जो युवा इस खेल की तरफ बढ़ रहे हैं, आप उनको क्या संदेश देना चाहते हैं?

मैं तो देख रहा हूं युवा खेल की तरफ नहीं बढ़ रहा है। युवा दूसरी चीजों में अपना पूरा ध्यान लगा रहा है। दूसरी चीजों की तरफ भाग रहा है और खेल से दूर होते जा रहा है। हम लोग खुद खेल से जुड़े हैं। मैदान में रहते हैं। हम लोग अगर 10 बच्चे लेकर आते हैं तो एक–दो बच्चे मुश्किल से ग्राउंड में रुकते हैं। कोई पसीना नहीं बहाना चाहता। जो अभी सबसे बड़ी समस्या है वह है ड्रग्स की। इसमें यूथ पूरी तरह से बर्बाद हो रहा है। इस तरह से मैं सभी यूथ से कहूंगा कि कोई न कोई खेल आप जरूर खेलें। दिन में एक–दो घंटा अपना पसीना बहाएं और खेल से जुड़े रहें। खेल के माध्यम से आप अपनी शारीरिक और मानसिक मजबूती बढ़ाएं। अपना विकास करें और देश के भी विकास में अपना योगदान दें। ऐसा करने से वह अपना विकास करेंगे, साथ ही अपने परिवार की तरक्की करेंगे।



भूविज्ञान विभाग की सोसाइटी टेरेक्स की ओर से आयोजित वशंख उत्सव में प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर की हिस्सेदारी।

जल आपदाएं और भविष्य की रणनीतियों पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

आपदाओं की वैज्ञानिक समझ होनी चाहिए

अंशु यादव

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के भूविज्ञान विभाग की सोसायटी टेरेक्स की ओर से आयोजित वार्षिक उत्सव वशंख ज्ञान, रचनात्मकता और वैज्ञानिक चेतना का जीवंत संगम बनकर सामने आया। 2 अप्रैल 2026 को हुए उत्सव ने पृथ्वी विज्ञान की भावना को प्रस्तुत किया। इस उत्सव में वक्ता सत्र, जियो पार्लियामेंटरी डिबेट, पोस्टर प्रतियोगिता, मिनरल्स– रॉक्स– एंड–फॉसिल्स एग्जिबिशन, रील मेकिंग प्रतियोगिता जैसी विविध गतिविधियां आयोजित हुईं।

वक्ता सत्र में सोशल जियोलॉजी साइंस फॉर द सेवियर, सर्वाइवल एंड सस्टेनेन्स विषय पर डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता ने भूविज्ञान के सामाजिक महत्व को अत्यंत रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भूविज्ञान केवल चट्टानों, खनिजों और धरातलीय संरचनाओं का अध्ययन मात्र नहीं है। जल संबंधी आपदाएं एवं प्राकृतिक जोखिम हाइड्रोजियोलॉजिकल परिप्रेक्ष्य और न्यूनीकरण रणनीतियां विषय पर डॉ. रितेश आर्य ने हाइड्रोजियोलॉजी के माध्यम से जल तंत्र, भूजल की गतिशीलता, बाढ़ प्रवण क्षेत्रों, प्राकृतिक जोखिमों और जल संबंधी आपदाओं की वैज्ञानिक समझ को स्पष्ट किया।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्तमान समय में जल संबंधी आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पूर्वानुमान, जोखिम मूल्यांकन और प्रभावी न्यूनीकरण रणनीतियां आवश्यक हैं। जियो पार्लियामेंटरी डिबेट में विद्यार्थियों ने जाना कि भूविज्ञान और पर्यावरण से जुड़े प्रश्न किस प्रकार नीति निर्माण, शासन और जन कल्याण से जुड़े हैं। इसमें आमना प्रथम, रिशि राय द्वितीय और युमना तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रेजेंटेशन और प्रदर्शनी ने भी लुभाया। आधुनिकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को ध्यान में रखते रील मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसने विद्यार्थियों के बीच विशेष उत्साह उत्पन्न किया।

इस अवसर पर राम लाल आनंद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, जियोलॉजिकल सोसायटी की संयोजिका मिस पूजा यादव, टीचर इंचार्ज मिस लिमिवोन जिमिक और समिति अध्यक्ष अर्पित शुक्ला एवं टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे।

छात्राओं ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक और मूव्स

नंदनी

- हेल्पलाइन नंबर एवं डिजिटल सुरक्षा की जानकारी दी गई
- असुरक्षित स्थिति बनने पर प्रतिक्रिया देने के तरीके भी बताए गए

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की महिला कल्याण सलाहकार समिति आयोजित एक सप्ताह की आत्मरक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला के 30 मार्च 2026 के सत्र में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सुरक्षित रहने के आवश्यक उपाय सिखाए गए। प्रशिक्षक मिस कांता यादव एवं मिस बबीता ने छात्राओं को आत्मरक्षा के अनेक पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि किसी भी आपात स्थिति में खुद को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है। इसी के साथ छात्राओं को आत्मरक्षा से संबंधित कई महत्वपूर्ण तकनीक और मूव्स सिखाए। प्रशिक्षकों ने कुछ बेसिक स्टेप्स और एक्सरसाइज करवाई। साथ ही उन्हें बताया कि यदि कोई अनजान व्यक्ति छूने की कोशिश करे या असुरक्षित स्थिति बने तो तुरंत कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने मानसिक रूप से मजबूत रहने और घबराने के बजाय समझदारी से काम लेने की सलाह दी।

छात्राओं को यह भी बताया गया कि वे अपने आसपास के वातावरण के प्रति हमेशा सतर्क रहें। सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों और पुलिस सहायता के बारे में भी जानकारी दी। डिजिटल सुरक्षा और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के आयोजन में समिति की संयोजक डॉ. एम सलोमी जॉन, सह संयोजिका डॉ. शालिनी रावल और समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।



प्रशिक्षण हासिल करने के बाद छात्राओं ने एकजुटता प्रदर्शित की।

लेखन, काव्यपाठ से सजा मंच

शिवानी

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति अभिव्यक्ति ने 20 जनवरी 2026 को दो सत्रों में चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। अंतर महाविद्यालय लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालय के 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पहले भाग में साहित्यिक एवं व्याकरणिक प्रश्नोत्तरी और हिंदी रचनात्मक लेखन रखा गया। दूसरे भाग में गुनाहों का देवता उपन्यास का अंश पाठ और काव्य पाठ रखा गया।

प्रश्नोत्तरी व्याकरण प्रतियोगिता में हिंदी साहित्य और हिंदी व्याकरण से जुड़े बहुविकल्पीय प्रश्न रखे गए। हिंदू महाविद्यालय के बृजलाल रोहन प्रश्नोत्तरी और रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे। रचनात्मक लेखन में द्वितीय और तृतीय स्थान महिपाल और विष्णु धनगर ने हासिल किया। वहीं साहित्यिक व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ज्योति सिंह और अनुराग ठठेरा द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। काव्य पाठ में प्रशांत पहले स्थान पर रहे। गौरव और संवेद गौतम द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किए। उपन्यास अंश पाठ प्रतियोगिता में साहिल सिन्हा ने पहला स्थान अपने नाम किया। हर्षित और विशाल द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के निर्णायक के रूप में डॉ. शचि मीणा, डॉ. रोशन लाल मीणा, डॉ. देवेंद्र नाथ तिवारी रहे। समिति के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार, सह संयोजक डॉ. राजेश गौतम, डॉ. मानवेश नाथ दास समेत हिंदी विभाग के डॉ. गोपाल यादव मौजूद रहे।



प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा निखरी।

ऐसा विकास हो कि समाधान समस्याएं न पैदा करें

खुशी प्रजापति

- विभिन्न विद्यार्थियों ने सतत विकास विषय पर अपने विचार साझा किए
- सतत विकास का लक्ष्य भविष्य की समस्याओं से बचते हुए विकास करना है

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की ईको क्लब सोसाइटी वसुधा ने 27 मार्च 2026 को निर्वाण इंटर कॉलेज ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता दो चरणों में हुई। पहले चरण में छह अलग अलग ग्रुप के प्रतिभागियों ने सोसाइटी के सदस्यों के दिए गए विषय पर अपनी बात रखी। पहले चरण को पार करने वाले विद्यार्थियों को दूसरे चरण में जाने का मौका मिला।

इस चरण में चयनित विद्यार्थियों को एक ही विषय दिया गया। सतत विकास का मतलब सिर्फ उत्सर्जन कम करना नहीं है। इसका मतलब यह सुनिश्चित करना है कि हमारे समाधान नई समस्याएं पैदा न करें। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सलोनी झा, द्वितीय स्थान सक्षम चावला और तृतीय स्थान अग्रिम मिश्रा ने हासिल किया। वहीं स्पेशल मेंशन हासिल करने वाले शांभवी और प्रनील रहे। भूविज्ञान विभाग की डॉ. श्वेता राय, वसुधा की संयोजिका डॉ. दीप्ति गुप्ता मौजूद रहीं।

राजनीति के मुद्दों पर जागरुक किया

आकाश

नई दिल्ली। प्रतियोगिता का उद्देश्य संघर्ष और राजनीति में जागरूकता बढ़ाना है। राम लाल आनंद महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की स्टेटक्राफ्ट समिति ने 1 अप्रैल 2026 को इंटरस्पेक्ट 2026 इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता आयोजित की, जो दो चरणों में हुई। पॉलिटिक्स एंड मिडिल ईस्ट कंफ्लिक्ट विषय पर हुई प्रतियोगिता में आदित्य और आयुष प्रथम, आनंद और खुशी दूसरा और आशिफ राजा और समर्थ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संयोजक मिस्टर कप्तान और विभाग अध्यक्ष डॉ. निधि यादव सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ट्रेडमार्क ब्रांड की पहचान की सुरक्षा

अंकुर सिंह

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय् की यूबिक्विटस द इंग्लिश लिटरेरी समिति ने 10 अप्रैल 2026 को वक्ता सत्र, वाद–विवाद, फोटोग्राफी व रील मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की। मुख्य वक्ता दुष्यंत महंत ने कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और साहित्यिक चोरी के प्रति जागरूक किया।

विद्यार्थी इससे जुड़े अपने कुछ सवाल किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए और विजेताओं को नगद पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में समिति की संयोजिका मीनाक्षी ब्रह्म और विभिन्न विभागों के विद्यार्थी मौजूद रहे।

एनएसएस के 'संकल्प' में सेवा का संकल्प

कृष्णा कुमार

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय में 30 मार्च को एनएसएस का वार्षिकोत्सव संकल्प आयोजित किया गया। एनसीसी के संयोजक मेजर प्रो. संजय कुमार ने इससे पहले उद्घाटन सत्र सूत्रधार में एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अनुराग शर्मा और विद्यार्थियों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान हेल्थ चेकअप का शिविर लगा। हेल्थ चेकअप कैंप सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला। इसमें विद्यार्थियों ने खून, शुगर, रक्तचाप और आंख से संबंधित समस्याओं की जांच कराई। रील मेकिंग प्रतियोगिता में शिवम ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय और अभिनंदन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। क्विज में रामलाल आनंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने टीम आरोह की खुशी वशिष्ठ व उत्कर्ष को प्रथम स्थान, टीम सीएसके के आसिफ रजा और शौर्य सम्राट ने द्वितीय और मोतीलाल नेहरू कॉलेज की टीम एके 47 के अनुज कुमार और रुद्राक्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णयाक की भूमिका में कुरु के अध्यक्ष साहिल और सदस्य आशीष रहे। रिदम ए हिंद नृत्य प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के अंकुश और टीम रिवायत ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय तथा मोतीलाल नेहरू कॉलेज की अदिति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भारतीय नृत्य समिति अनंतदृष्टि की पूर्व अध्यक्षा प्रियंका गांधी और कंटेंट प्रमुख दिग्विजय आयुष निर्णायक के तौर पर मौजूद रहे।

सुपर चाइल्ड एजुकेशन एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वर्कशॉप की थीम भारत को पहचानो रखी गई। इसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। चंद्रशेखर आजाद गवर्नमेंट बॉयज स्कूल जुलैना की अन्नू और प्रियंका ने नृत्य पेश किया। समापन पर डॉ. अनुराग शर्मा ने एनएसएस के अथर्व गंभीर, रितिका शुक्ला, श्रेष्ठ मेथपाल और शिशिर मौर्य सदस्यों को सम्मानित किया।



राम लाल आनंद महाविद्यालय के एनएसएस के वार्षिकोत्सव संकल्प में समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया।

कैम्पस कनेक्ट के जून और जुलाई अंकों के विमोचन पर प्राचार्य ने कहा–

विद्यार्थियों से शॉर्ट फार्मेट में भी कराई जाए रिपोर्टिंग





अंकेश स्वर्ण

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के मासिक ई–न्यूज लेटर 'कैम्पस कनेक्ट' के जुलाई 2026 अंक का विमोचन 22 जुलाई 2026 को किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने अंक का विमोचन किया। विमोचन की औपचारिकता अंक की संपादक भूमिका शार्दुल और उप संपादक दीपिका ने पूरी कराई।

प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने छात्राओं को बधाई देते हुए आगे भी ऐसे ही मेहनत और लगन के साथ काम करने को कहा। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार को नए सत्र की शुरुआत से कार्यक्रमों में रील्स/शॉर्ट फार्मेट में मोजो (मोबाइल जर्नलिज्म) को प्रयोग में लाने की सलाह दी। ऐसा करके विद्यार्थी महाविद्यालय की समितियों के आयोजन और उसमें आए विशेषज्ञों को बेहतर तरीके से रेखांकित किया जाए। इससे विद्यार्थियों को न्यू मीडिया में काम करने का अनुभव मिलेगा वहीं महाविद्यालय भी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच पाएगा।

शिवम यादव

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के मासिक ईन्यूज लेटर 'कैम्पस कनेक्ट' के जून अंक का विमोचन 16 जुलाई 2026 को हुआ। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता और हिंदी पत्रकारिता के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने विमोचन किया। अंक के संपादक की जिम्मेदारी हिंदी पत्रकारिता के दूसरे वर्ष की छात्रा खुशबू ने निभाई है तो उपसंपादक का दायित्व भूमिका शार्दूल ने निभाया है। अंक विमोचन की औपचारिकता उपसंपादक भूमिका ने निभाई।

विमोचन के दौरान प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों से बात करते हुए 'कैम्पस कनेक्ट' कैसे तैयार होता है, अंक तैयार होने में कितना समय लगा, इसे कैसे मैनेज करते हैं, बनाते हुए हुए क्या–क्या सीखने को मिला। विद्यार्थियों ने प्रश्नों का जवाब दिया। प्राचार्य ने सलाह दी कि जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा में जिस संकाय से पढ़ाई किए हैं, उन्हें महाविद्यालय में संबंधित विभाग के कार्यक्रम की रिपोर्ट आवंटित की जाए। ऐसा करने से वह ज्यादा अच्छी रिपोर्ट लिख पाएंगे। इस पर संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने बताया कि इस बात का पहले से ध्यान दिया जाता है।

पीजीडीएवी को हरा RLAC का सेमीफाइनल में प्रवेश

दीपक कुमार

नई दिल्ली। रामलाल आनंद महाविद्यालय ने पीजीडीएवी महाविद्यालय को चार विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों महाविद्यालयों के बीच इस मैच का आयोजन 3 फरवरी 2026 को श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ग्राउंड में किया गया। डॉ. ललित ने 2 छक्के 3 चौके की मदद से 45 गेंद में 49 रनों की पारी खेली। इस प्रकार पीजीडीएवी कॉलेज की टीम 20 ओवर में 148 रनों पर ऑल आउट हो गई।

राम लाल आनंद महाविद्यालय की ओर से कप्तान डॉ. रोशन लाल मीणा ने 9 गेंद में 16 रन बनाए। डॉ. पवन शर्मा ने 15 गेंद में 19 रनों का योगदान दिया। डॉ. अंकित कुमार ने 36 गेंद में 37 रन बनाए और डॉ. विशाल गोस्वामी की शानदार बल्लेबाजी रही। राम लाल आनंद महाविद्यालय की टीम ने 19 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाकर 4 विकेट से शानदार विजय प्राप्त की। डॉ. अंकित कुमार को उनके बेहतरीन खेल की वजह से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने टीम के लिए 37 रनों का योगदान दिया और 1 ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट झटके। जीत राम लाल आनंद महाविद्यालय की हुई।



रामलाल आनंद महाविद्यालय की क्रिकेट टीम ने मनाया जीत का जश्न।

डिजिटल अपराध से बचने के बताए गए टिप्स

अंकिता भारती

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के सहयोग से 14 मार्च 2025 को डिजिटल फोरेंसिक और साइबर क्राइम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री, नेशनल साइबर फोरेंसिक लेबोरेट्री, साइबर क्राइम पुलिस इकाइयों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यशाला के तीन सत्रों में डिजिटल फोरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विशेषज्ञ ने बताया कि किस प्रकार डिजिटल तकनीक की सहायता से अपराधों की जांच की जाती है।

दूसरे सत्र में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के सहायक डॉ. पंकज शर्मा ने डिजिटल साक्ष्यों के संग्रह और संरक्षण की प्रक्रिया पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराधी अक्सर रचनात्मक होते हैं, लेकिन कई बार लापरवाह भी होते हैं। आज साइबर अपराध डिजिटल दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। डॉ. पंकज शर्मा ने कहा कि डिजिटल साक्ष्य वीडियो कैमरा, कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल जैसे उपकरणों से प्राप्त होते हैं। डिजिटल फोरेंसिक के माध्यम से इन साक्ष्यों के स्रोत का विश्लेषण कर कानूनी जांच में सहायता प्रदान की जाती है। उसकी सुरक्षा के लिए 'चेन ऑफ कस्टडी' बनाए रखना आवश्यक होता है। तीसरे सत्र में इंडियन साइबर क्राइम के शोधकर्ता मिधुन एस ने मैलवेयर एप्लिकेशन के बारे में बताया।

उन्होंने एपीके फाइल (एंड्रॉयड एप्लीकेशन पैकेज) और साइड लोडिंग की प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि एपीके फाइल कई प्रकार की फाइलों को एक साथ समाहित कर दिया जाता है। उन्होंने मैलवेयर एप्लिकेशन के सही और गलत उपयोग के बारे में भी जानकारी दी और मैलवेयर विश्लेषण की विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे स्टैटिस्टिक, गतिशील और भौतिक विश्लेषण के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। इससे पहले कार्यशालाआ का शुभारंभ दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध के डीन प्रो. अनिल राय, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता और सुश्री साक्षी ने किया।

वाद–विवाद स्पर्धा में कालिंदी कॉलेज प्रथम

दीपक/समर्थ मिश्रा

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय में 7–8 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती के अवसर पर अंबेडकर स्टडी सर्कल के वार्षिक उत्सव हौसला में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और संविधान पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि प्रो. रेखा सक्सेना ने कहा कि एक विकसित देश बनने के लिए शिक्षा, समानता, आजादी और अधिकार जरूरी हैं।

पहले दिन प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने अंबेडकर जी के कार्यों को विकसित भारत से जोड़ते हुए कहा कि हम जो विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, यह सपना डॉ. अम्बेडकर ने संविधान बनाते समय ही देख लिया था। दूसरे दिन वाद–विवाद प्रतियोगिता में कालिंदी महाविद्यालय के कनन ने पहला स्थान हासिल किया। राम लाल आनंद महाविद्यालय के सदाफ परवीन दूसरे स्थान पर रहे। मोती लाल महाविद्यालय के रीतिकेश कुमार सिन्हा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. जतिन कुमार, डॉ. कप्तान और डॉ. श्यामजीत यादव शामिल रहे।

मिरात की ओर से आयोजित वक्ता सत्र में माइक्रो जर्नलिज्म पर बात

पहले हमें सोशल होना पड़ेगा



हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार की ओर से आयोजित विशेषज्ञ सत्र में सोशल मीडिया के प्रभाव पर चर्चा।

खुशबू

नई दिल्ली। हम सोशल मीडिया देख रहे होते हैं तो अपने आस–पास के लोगों को अनदेखा कर देते हैं। दूसरों की तकलीफों को समझ कर आप एक अच्छे पत्रकार बन सकते हैं। यह बात राम लाल आनंद महाविद्यालय में 16 मार्च 2026 को रेडियो तरंग 90.0 एफएम और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की समिति मिरात की ओर से आयोजित कार्यक्रम के विशेषज्ञ सत्र में श्रीमती पूनम ने कही।

श्रीमती पूनम ने माइक्रो पत्रकारिता और मुख्य पत्रकारिता के विषय में विद्यार्थियों को बताते हुए इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर की सामग्री पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जितना हम सोशल मीडिया के पास जा रहे हैं उतना ही लोगों से दूर होते जा रहे हैं। पिछले वर्षों में सोशल मीडिया की वजह से कई की जान चली गई है। हमें सोशल मीडिया का उपयोग अच्छे कामों के लिए करना चाहिए। दूसरों की सहायता करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने फेक न्यूज से बचने और सुधा मूर्ति और प्रेमचंद की किताबों को पढ़ने का सुझाव दिया। इससे पहले हिंदी पत्रकारिता के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने वक्ता का स्वागत कर माइक्रो जर्नलिज्म पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। संचालन समर्थ ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक डॉ. अटल तिवारी ने किया। आयोजन में शिक्षक डॉ. सीमा भारती, डॉ. निशा सिंह, डॉ. विशाल शर्मा, डॉ. श्वेता आर्या, रेडियो तरंग की फरजीन सुल्तान और हिंदी विभाग की प्रो. अर्चना गौड़ सहित विभाग के विद्यार्थी मौजूद रहे।

माइलस्टोन में विद्यार्थियों को 10 लाख तक का मिला पैकेज

अंकिता भारती

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय में विद्यार्थियों के करियर को नई उड़ान देने के लिए पाथवे द करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की तरफ से माइलस्टोन 6.0 का आयोजन किया। इस वार्षिक इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट मेले में विद्यार्थियों को टॉप कंपनियों से जुड़ने, बेहतरीन करियर अवसर तलाशने और नेटवर्किंग करने का मंच मिला। मेले का उद्घाटन 19 मार्च 2026 महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने किया।

इस बार मेले में बजाज कैपिटल, बजाज लाइफ इंश्योरेंस, ओरिऑन, टेक फॉर इंडिया, हेरिऑन रिसर्च और विसमोरा जैसी 60 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हुईं। इन कंपनियों ने वित्तीय विश्लेषण, बाजार विश्लेषण, अनुसंधान सेवाएं, एआई डेवलपर और वेब डेवलपर जैसे आधुनिक पदों के लिए प्रतिभावान विद्यार्थियों का चयन किया। इंटरव्यू के दौरान पारिवारिक बैकग्राउंड, रुचियों और कार्य के प्रति सहजता जैसे बुनियादी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। मेले में 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को अधिकतम 10 लाख रुपए और न्यूनतम तीन लाख रुपए प्रति वर्ष तक का ऑफर दिया गया। सेल के संयोजक डॉ. पवन कुमार सहित शिक्षक और विद्यार्थियों ने मेले को सफल बनाने में भूमिका निभाई।



पाथवे के प्लेसमेंट मेले में कॅरियर संभावनाओं को लेकर उत्साहित दिखे विद्यार्थी।

- माइलस्टोन में 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भविष्य के लिए की दावेदारी
- आरएलएसी में लगे मेले ने विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट अनुभव दिया

संरक्षक मंडल

प्राचार्य

प्रो. राकेश कुमार गुप्ता

विभागाध्यक्ष

प्रो. राकेश कुमार

परामर्शदाता

डॉ. अटल तिवारी

संपादक

दीपिका

उपसंपादक

स्नेहा झा